

प्रदेश की जेलों में मनाया 'अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस'

डीजी दासोत की प्रेरणा से 21 हजार कैदियों ने किया योग

जयपुर। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राज्य की 144 कारागृहों में सोमवार को अद्भुत नजारा दिखाई दिया। राजीव दासोत महानिदेशक कारागार के निर्देश पर राज्य की सभी कारागृहों के लगभग इक्कीस हजार कैदियों तथा चार हजार जेल कर्मियों द्वारा अपनी-अपनी कारागृहों में एक साथ योगाभ्यास किया गया। कैदियों ने योग, सूर्य नमस्कार, प्राणायाम आदि योगिक क्रियाएं कर कारागृह के वातावरण को सकारात्मक ऊर्जा से सरोबार कर दिया।

दासोत ने अपने संदेश में कहा कि नियमित योगाभ्यास शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। कैदियों में तनाव मुक्ति के लिए योग एक प्रकार से औषधि है। इससे चरित्र में शुद्धता, विचारों में शुचिता आती है, मन के विकार समाप्त होते हैं। यदि एक बैरक में एक योगी बंदी हो तो सभी कैदियों को योग सिखाकर उनके जीवन में बदलाव आता है जिससे कारागृह सच्चे अर्थों में सुधार गृह बन सकते हैं।

राज्य की कारागृहों में सभी कैदियों के लिए नियमित योगाभ्यास अनिवार्य है। इसलिए सोमवार को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कारागृहों में उत्सव का माहौल रहा। कई कारागृहों में योग गुरुओं की उपस्थिति में संगीतमय योगाभ्यास भी करवाया गया। कारागृहों के अधीक्षक, जेलर तथा अन्य स्टाफ ने अपनी-अपनी कारागृहों में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम के लिए बेहतर प्रबंध किये गये थे।



उप कारागृह, मेड़ता सिटी



जिला कारागृह हनुमानगढ़



कारागार प्रशिक्षण संस्थान, अजमेर



जिला जेल, जयपुर



केन्द्रीय कारागृह, बीकानेर



केन्द्रीय कारागृह, भरतपुर